



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 205]  
No. 205]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 17, 1989/चैत्र 27, 1911  
NEW DELHI, MONDAY, APRIL 17, 1989/CHAITRA 27, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(कंपनी कार्य विभाग)  
अधिलेखनाएं

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1989

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Company Affairs)  
NOTIFICATIONS

New Delhi, the 17th April, 1989

सां० कां० नि० 448 (अ) :- केंद्रीय सरकार, कंपनी  
(संशोधन) अधिनियम, 1988 (1988 का 31) की धारा 1 की  
उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तारीख  
17 अप्रैल, 1989 को ऐसी तारीख के रूप में नियत करती  
है जिसको उक्त अधिनियम की धारा 19, 31, (जहां तक  
उसका संबंध खंड (क) और (ख) से है), 51 और 52  
प्रवृत्त होगी।

[फा० सं० 1/6/88-सीएल-4]

GSR 448(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Companies (Amendment) Act, 1988 (31 of 1988), the Central Government hereby appoints the 17th day of April, 1989, as the date on which the provisions of sections 19, 31 (in so far as it relates to clauses (a) and (b), 51 and 52 of the said Act shall come into force.

[File No. 1/6/88-CL.V]

सा० का० नि० 449 (घ) :- केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 642 की उपधारा (1) के खंड (क) और (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों और सभी अन्य सामर्थ्यकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कंपनी (केंद्रीय सरकार) साधारण निगम और प्ररूप, 1956 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कंपनी (केंद्रीय सरकार) साधारण नियम और प्ररूप (संशोधन) नियम, 1989 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. कंपनी (केंद्रीय सरकार) साधारण नियम और प्ररूप 1956 (जिन्हें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में नियम 6 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“6 क० धारा 130:- (1) प्रत्येक कंपनी भार रजिस्टर में प्रविष्ट किए जाने के लिए दस रुपये फीस सहित प्ररूप 13 में भार की विशिष्टियां रजिस्ट्रार को प्रेषित करेगी ।

(2) प्ररूप 13, यथास्थिति, भुसंगत प्ररूप 8 या प्ररूप 10 या प्ररूप 17 के साथ भेजा जाएगा ।

(3) धारा 130 की उपधारा (3) के अनुसरण में रखे गए रजिस्टर का कोई भी व्यक्ति प्रत्येक निरीक्षण के लिए दस रु० फीस देकर निरीक्षण कर सकेगा ।”

3. उक्त नियमों के नियम 7 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“7 क० धारा 219:- (1) वह विवरण जिसमें धारा 219 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट दस्तावेजों की मुख्य बातें अंतर्विष्ट होंगी, प्ररूप 23कथ में होगा ।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट विवरण का निदेशक बोर्ड द्वारा अनुमोदन और उस पर बोर्ड की ओर से हस्ताक्षर धारा 215 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार किए जाएंगे ।

(3) विवरण की हस्ताक्षरित प्रति धारा 220 के अनुसरण में फाइल की गई दस्तावेजों के साथ संलग्न की जाएगी ।”

4. उक्त नियमों के नियम 11 क के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

“11ख धारा 370 :- (1) धारा 370 की उपधारा (1) के पहले परंतुक के प्रयोजनों के लिए अन्य ऐसे निगमित निकायों के, जो उधारदाता कंपनी के रूप में एक ही प्रबंध मंडल के अधीन नहीं हैं, मामले में विशेष संकल्प की उस समय आवश्यकता नहीं होगी जब ऐसे उधार का योग उधारदाता कंपनी की प्रतिश्रुत पूंजी और खुली आरक्षितियों के योग के बीस प्रतिशत से अधिक न हो ।

(2) केंद्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के सिवाय, सभी अन्य निगमित निकायों को उधारदाता कंपनी द्वारा दिए गए उधार का योग निम्नलिखित से अधिक नहीं होगा ।

(क) उधारदाता कंपनी की प्रतिश्रुत पूंजी और खुली आरक्षितियों के योग का तीस प्रतिशत, जहां सभी ऐसे अन्य निकाय उधारदाता कंपनी के रूप में एक ही प्रबंध मंडल के अधीन न हों :

(ख) उधारदाता कंपनी की प्रतिश्रुत पूंजी और खुली आरक्षितियों के योग का बीस प्रतिशत, जहां सभी ऐसे अन्य निगमित निकायदाता उधारदाता कंपनी के रूप में एक ही प्रबंध मंडल के अधीन हों ।

11ग० धारा 372 :- (1) निदेशक बोर्ड धारा 372 की उपधारा (2) के अनुसरण में किसी अन्य निगमित निकाय के शेयरों में ऐसे ही अन्य निगमित निकाय की प्रतिश्रुत साधारण शेयर पूंजी, या समावृत्त साधारण और अधिमानी शेयर पूंजी का, जो भी कम हो पञ्चम प्रतिशत तक विनिधान करने का हकदार होगा ।

स्पष्टीकरण :- जहां कंपनी यह विनिधान अपनी किसी एक या अधिक समनुवंगी कंपनियों के साथ मिल करती है वहां इस उपनियम में विनिविष्ट प्रतिशतता की गणना कंपनी और उसकी समनुवंगी कंपनियों द्वारा किए गए कुल विनिधान के प्रति निर्देश द्वारा की जाएगी ।

(2) केंद्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के सिवाय सभी अन्य निगमित निकायों में बोर्ड द्वारा किए गए विनिधान का योग निम्नलिखित से अधिक नहीं होगा :-

(i) विनिधान करने वाली कंपनी की प्रतिश्रुत पूंजी और खुली आरक्षितियों के योग का बीस प्रतिशत; और

(ii) विनिधान करने वाली कंपनी की प्रतिश्रुत पूंजी और खुली आरक्षितियों के योग का बीस प्रतिशत, जहां ऐसे अन्य निगमित निकाय एक ही समूह में हों ।”

## 5. उक्त नियमों के उपाबंध (क) में, :-

(i) प्रकृप 13 के स्थान पर निम्नलिखित प्रकृप रखा जाएगा, अर्थात् :-

भार रजिस्ट्रार

(धारा 130, 135, 137 और 139 के अनुसरण में)

“प्रकृप सं 13  
भार की विधिधियां

रजिस्ट्रार सं .....  
अभिहित पूंजी .....

भारत में रजिस्ट्रीकृत कंपनी द्वारा सृष्ट

जिसके अध्यक्षों रहते हुए संपत्ति भारत में रजिस्ट्रीकृत कंपनी द्वारा अर्जित की गई है

कंपनी का नाम ..... लिमिटेड/प्राइवेट लिमिटेड.....  
..... द्वारा प्रस्तुत

भार की विधिधियां सृष्ट

जिसके अध्यक्षों रहते हुए संपत्ति अर्जित की गई है

भारत में रजिस्ट्रीकृत ..... लिमिटेड/प्राइवेट लिमिटेड कंपनी

धारा 125 के अधीन भार की विधिधियां

1. भार सृष्ट करने वाली लिखत की तारीख और विवरण
2. भार द्वारा प्रतिभूत रकम/भार की प्रतिभूति की बाबत देय रकम।
3. भारित संपत्ति का संक्षिप्त व्योरा। यदि अर्जित संपत्ति भार के अधीन है तो संपत्ति के अर्जन की तारीख दी जानी चाहिए।
4. भार के निबंधनों और शर्तों तथा बित्तर और प्रवर्तन का संक्षिप्त व्योरा।

5. भार के हकदार व्यक्तियों के नाम, पते और विवरण।

धारा 125/129 के अधीन डिबेंचरों की शृंखला के मामले में भार की सृष्टि से संबंधित विधिधियां

6. डिबेंचरों की प्रत्येक शृंखला की तारीख और रकम- तारीख रकम योग
7. शृंखला के वर्तमान निगमन की तारीख और रकम
8. शृंखला का निगमन प्राधिकृत करने वाले संकल्प की तारीख।
9. उस आवक बिलेख (यदि कोई हो) की तारीख जिसके द्वारा प्रतिभूति सृष्ट या परिनिश्चित की गई है, या यदि कोई ऐसा बिलेख नहीं है तो शृंखला के किसी डिबेंचर का पहला निष्पादन।
10. डिबेंचर धारियों के न्यासियों (यदि कोई हो) के नाम और पते।
11. शृंखला के रजिस्ट्रीकरण की तारीख।
12. इस विवरणों में सम्मिलित डिबेंचरों में से किसी डिबेंचर के लिए प्रतिभूत करने या प्रतिभूत करने के लिए सहमत होने, भले ही प्राप्तिपूर्वक हो या किसी शर्त पर, या प्रतिभूति उपाप्त करने या उपाप्त करने के लिए सहमत होने के लिए प्रतिकूल के रूप में किसी व्यक्ति को किसी कंपनी से प्राप्त या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बिना जाने वाले कमोशन, भत्तों या छूट को रकम या प्रतिभूत कर की विधिधियां।

उपधारा 135 के अधीन भार के अंतरण की विधिधियां

13. भार को उपांतरित करने वाली लिखत की विधिधियां और संक्षिप्त विवरण।

14. पूर्वतः रजिस्ट्रीकृत/कंपनी रजिस्ट्रार के कार्यालय में फाइल किए गए उपांतरणों की विधिधियां।

15. उस भार के निबंधनों, शर्तों या प्रवर्तन के बित्तर को विनिर्दिष्ट करने वाले उपांतरण की विधिधियां जिसमें उपांतरण किया गया है और उपांतरण का व्योरा।

16. धारा 137 के अधीन रजिस्ट्रार की नियुक्ति

(क) रजिस्ट्रार का नाम, पता और नियुक्ति की तारीख

(ख) वह तारीख जिसको रजिस्ट्रार कार्य करना समाप्त कर देना है।

17. धारा 139 के अधीन भार की पूर्ण पुष्टि का ज्ञापन

(क) मूल भार की सृष्टि की तारीख और प्रतिभूत रकम।

(ख) रजिस्ट्रीकरण की तारीख/कंपनी रजिस्ट्रार के पास विधिधियां फाइल करने की तारीख।

(ग) पुष्टि का ज्ञापन फाइल करने की तारीख/पुष्टि की प्रविष्टि की तारीख।

तारीख .....

हस्ताक्षर .....

नाम .....

पद नाम .....

(केवल कंपनी रजिस्ट्रार के कार्यालय के लिए)

18. रजिस्ट्रार को सारीख

19. फाइल में दस्तावेज का क्रम संख्यांक

कंपनी रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर";

(ii) प्रकरण 23कक, के पश्चात् निम्नलिखित प्रकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:--

"प्रकरण सं 23कक

(नियम 7क देखिए)

धारा 219 (1) (ख)(iv) के अनुसार तुलन-पत्र और लाभ और हानि लेखा की मुख्य बातों को दर्शाने वाला विवरण संक्षिप्त तुलन पत्र का प्रकरण

कंपनी का नाम.....

.....तारीख को संक्षिप्त तुलन पत्र

निम्नलिखित के घत में प्रांकड़े

विशिष्टियां

भारत वित्त वर्ष  
(र. 000)पूर्व वित्त वर्ष  
(र. 000)

## I. निधि के स्रोत

## (1) धंधा निधि

(क) पूंजी

(i) साधारण

(ii) अग्रिमानी

## (ख) प्राप्तियां और अधिशेष

(i) पूंजी प्राप्ति

(ii) ग्रामवनी प्राप्ति

(iii) पुनर्मूल्यांकन प्राप्ति

(iv) लाभ और हानि लेखा में अधिशेष

## (2) उधार निधि

(क) डिबेंचर

(ख) लोक निधि

(ग) प्रतिभूत उधार (डिबेंचर से भिन्न)

(घ) अप्रतिभूत उधार

(1) और (2) का योग:--

## II. निधियों का उपयोग

## (1) स्थिर प्राप्ति

(क) शुद्ध ब्याज (मूल लागत मूल्यहास को बटाकर)

(ख) कार्यरत पूंजी संकर्म

## (2) विनिधान

(क) सरकारी प्रतिभूतियां

(ख) समनुबंजी कंपनियों में विनिधान

(क) जो कोट किया गया

(ख) जो कोट नहीं किया गया

(ग) अन्य

(क) जो कोट किया गया

(ख) जो कोट नहीं किया गया

(3) (i) चालू भास्त्रियाँ, उधार और अग्रिम

(क) तालिकाएँ

(ख) अन्याय्य ऋणी

(ग) गकब और बैंक अतिशेष

(घ) अन्य चालू भास्त्रियाँ

(ङ) उधार और अग्रिम

(i) समनुपंगी कंपनियों को

(ii) अन्य दो

बटाएँ

(ii) चालू दायित्व और व्यवस्थाएँ

(क) दायित्व

(ख) व्यवस्थाएँ

शुद्ध चालू भास्त्रियाँ (i—ii)

(4) उस सोमा तक प्रकीर्ण था जिसे बट्टे खाने में नहीं डाला गया है या जिसका समायोजन नहीं किया गया है।

(5) लाभ और हानि लेखा

(1) से (5) तक का योग

..... की समाप्त होने वाले वर्ष का संक्षिप्त लाभ और हानि लेखा  
विनिर्दिष्टनिम्नलिखित के लिए आंकड़े  
चालू वर्ष पूर्व वर्ष

## I. आय

--विक्रय/प्रति सेवाएँ (उपाबंध के अनुसार पृथक रूप से भीरा दिया जाए)

-- लाभान्श--भ्याज--अन्य कोई (टिप्पण 5 देखिए)

योग

.....  
.....

## II. व्यय

उपयोग में लाए गए/बेचे गए माल की लागत

(i) आर्थिक स्टॉक

(ii) अन्य

घटाएँ बंद स्टॉक .....  
.....

विनिर्माण व्यय

विक्रय संबंधी व्यय

बेतन, मजदूरी और कर्मचारियों को दिए जाने वाले अन्य कायदे

प्रबंध मंडल को दिए जाने वाला पारिश्रमिक

भ्याज मूल्यह्रास

लेखा परीक्षक को दिए जाने वाला पारिश्रमिक

(i) शंकास्पद ऋण, और

(ii) अन्य आकस्मिकताओं (विनिर्दिष्ट करें)

के लिए व्यवस्थाएँ

कोई अन्य व्यय (टिप्पण 5 देखिए)

योग

.....  
.....

## III. कर से पूर्ण लाभ/हानि (1-2)

## VI. कराधान के लिए व्यवस्था

## V. कर देने के पश्चात् लाभ/हानि

## VI प्रस्तावित लाभांश :

- अधिभागी अंश
- साधारण अंश
- भारक्षित/अधिशेष में अंतरण

संक्षिप्त तुलन पत्र और संक्षिप्त लाभ और हानि लेखा के टिप्पण ।

1. यहाँ उपर्युक्त रकम नहीं होनी चाहिए जो अनुसूची 6 के अनुसार लेखों में तत्स्थानी संकलित शीर्षों में दर्शाई गई है या यथा संभव उसके निकटतम होनी चाहिए ।

2. भकस्मिक वायित्व और पूँजी संबंधित वायित्व की कुल रकम पृथक रूप से दर्शाई जानी चाहिए

3. अनुसूची 6 के अनुसार वे सभी टिप्पण, जो लेखों का भाग हैं, जिसको और लड़ा परीक्षाओं ने बिना ध्यान आकर्षित कराया है या जो रेखा परीक्षक द्वारा दिए गए बिरोधकों विवरण-अनु के पुनः उद्घूषण किया जाना चाहिए ।

4. यदि स्थिर आस्तियों का पुनः मूल्यांकन किया जाता है तो पुनर्मूल्यांकन की तारीख के पचास पहले पांच वर्षों के लिए पुनर्मूल्यांकन की रकम पृथक रूप से दर्शाई जानी चाहिए ।

5. कोई भी मद जो कुल धन या व्यय (जिसके अंतर्गत व्यवस्थाएं भी हैं) का 20 प्रतिशत या उससे अधिक हो, पृथक रूप से दर्शाई जानी चाहिए ।

6. ऐसी रकम को, जो तात्त्विक हो और जिससे लाभ और हानि लेखा में दर्शाई गई मदें लेखों के आधार में होने वाले किसी परिवर्तन से प्रभावित हों पृथक रूप से प्रकट की जानी चाहिए ।

7. यदि मूल्य ह्रास के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है तो इस तथ्य का कि ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है अधिनियम की धारा 205 (2) के अनुसार संगणित मूल्य ह्रास की बकाया की रकम सहित उल्लेख किया जाना चाहिए ।

8. कोट किए विनिधान (चालू और पूर्व वर्ष दोनों के ही) बाजार मूल्य का उल्लेख किया जाना चाहिए ।

9. कोई भी टिप्पण, जो अनुसूची 6 के अनुसार लेखों का भाग हो और जो अपनी प्रकृति के हिसाब से किसी विधि के अनुपालन से संबंधित कोई स्पष्टीकरण हो, पुनः उद्घूषण किया जाना चाहिए ।

तुलन पत्र और लाभ और हानि लेखा की पूर्व कथित मुख्य बातों को उसी रीति में अधिप्रमाणित किया जाता चाहिए जिस रीति में मुख्य सौकों को अधिप्रमाणित किया जाता है ।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का पूरा ब्यौरा, सिवाय उस जानकारी के जो धारा 217 (2क) के अधीन कर्मचारियों से संबंधित हो, दिया जाना चाहिए । [धारा 215 (1) में विहित रीति में निवेदनको/संलग्न द्वारा हस्ताक्षरित]

## उपानंद

.....को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा से संबंधित अतिरिक्त जानकारी की मुख्य बातें

चालू वर्ष के आंकड़े	पूर्व वर्ष के आंकड़े
र.	र.

विक्रय	मात्रा	र. 000	मात्रा	र. 000"
माल का बर्ग एकक				

(iii) प्ररूप 34क में,

मद संख्या 1 में, उपमद (ग) में, निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:--

"कुल भारक्षितियाँ (उनके भटकों के ब्यौरे सहित) ।";

(iv) प्ररूप 34ख के स्थान पर, निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात्:--

प्ररूप सं. 34-ख

"कंपनी की राजस्वीकरण संख्या अभिलिखित पूंजी र.

कंपनी अधिनियम, 1956

कंपनियों द्वारा अन्य कर्मचारियों के शेरर क्रय करने के लिए केंद्रीय सरकार को आवेदन का प्ररूप

धारा 372 के अनुसरण में

टिप्पण :--

(i) इस प्ररूप में "कंपनी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो विनिधान करने के लिए प्रस्थापना करती है, और "अन्य नियमित निकाय" से वह कंपनी अभिप्रेत है जिसमें विनिधान किया जाना प्रस्थापित है ।

(ii) जानकारी आवेदन की तारीख को तथ्यों के अनुसार दी जानी चाहिए सिवाय वहाँ के जहाँ कि प्ररूप में मर्यादा उपर्युक्त है ।

(iii) आवेदन के साथ परिशिष्ट 1 में उल्लिखित दस्तावेज भेजे जाना चाहिए । कंपनी को यह सहाह दी जाती है कि आवेदन के तुरंत निपटारे के लिए कंपनी की तथा अन्य नियमित निकाय की भी वित्तीय स्थिति की बाबत जानकारी भी सबसे अंत में प्रकाशित तुलन-पत्र के अनुसार परिशिष्ट 2 में दिए प्रोफार्मा में दी जानी चाहिए ।

(iv) प्रोफार्मा में "डिवेंचर" के प्रति निर्देश द्वारा 372 (12) के उपबंधों के साथ पढ़ा जाना चाहिए।

#### I. (क) कंपनी का नाम

(ख) प्रबंध मंडल की संरचना (निदेशक बोर्ड का गठन और प्रबंधक, प्रबंध निदेशक, यदि कोई हो, की बाबत विशिष्टियां तथा उनका नाम और पता

(ग) पूंजी की संरचना

(1) शेयर पूंजी

--प्राधिकृत ह.

--प्रतिश्रुत ह. (साधारण और अधिमानी शेयर पूंजी पृथक् रूप से उपरक्षित की जाए)

--समादत्त ह.

(2) डिबेंचर ह.

(3) दीर्घ अवधि उधार ह.

(4) कुल भारक्षितियां ह.--

(षटकों के ब्यौरे सहित)

(घ) प्रतिश्रुत पूंजी और खुली भारक्षितियों का योग ह.

#### II. (क) अन्य नियमित निकायों का नाम

(ख) प्रबंध मंडल की संरचना (निदेशक बोर्ड का गठन और प्रबंधक, प्रबंध निदेशक, यदि कोई हो, की बाबत विशिष्टियां तथा उनका नाम और पता

(ग) पूंजी की संरचना

1. शेयर पूंजी--

--प्राधिकृत ह.

--प्रतिश्रुत ह. (साधारण और अधिमानी शेयर पूंजी पृथक् रूप से उपरक्षित की जाए)

--समादत्त ह.

2. डिबेंचर ह.

3. दीर्घ अवधि उधार ह.

3. दीर्घ अवधि उधार ह.

#### III. (क) कंपनी का मुख्य कारखाना

(ख) अन्य नियमित निकाय का मुख्य कारखाना

(ग) किम प्रकार प्रस्तावित विनिधान कंपनी और अन्य नियमित निकाय के हित में होगा।

#### IV. प्रस्तावित विनिधान की विशिष्टियां

(क) विनिधान की प्रकृति (साधारण/अधिमानी/या डिबेंचर, अधिमानी/लाभांश/डिवेंचर ब्याज की दर, मोचन के निबंधन आदि सहित)।

(ख) वह रकम जिसका विनिधान किया जाना है।

(ग) उन शेयरों/डिवेंचरों की संख्या जिनका प्रय किया जाना है।

(घ) शेयरों/डिवेंचर का अभिहित मूल्य।

(ङ) यदि शेयर/डिवेंचर किसी मान्यता प्राप्त एक्सचेंज पर कोट किए गए हैं तो उनका बाजार निवेशित मूल्य।

(च) यदि शेयर किसी मान्यता प्राप्त एक्सचेंज पर कोट नहीं किए गए हैं तो अवशिष्ट मूल्य, प्राप्ति और उचित मूल्य का ब्यौरा।

(छ) वह दर जिस पर शेयर/डिवेंचर ख्रय किए जाने हैं (यदि संदेन की जाने वाले कीमत शेयरों के बाजार मूल्य या उचित मूल्य से अधिक है तो उसके लिए औचित्य)।

(ज) संदाय का स्वरूप अर्थात् नकद किया जाएगा या कंपनी के शेयर निर्गमित करके या संतति अंतरण द्वारा (ब्यौरा दिया जाए)।

(झ) पूर्ववर्ती तीन बंधों के दौरान अन्य नियमित निकाय के शेयरों पर घोषित लाभांश, यदि कोई हो।

(ञ) क्या शेयर/डिवेंचर कंपनी के नए निर्गम से खरीदे जा रहे हैं?

(ट) यदि शेयर/डिवेंचर विद्यमान अंशधारियों से खरीदे जा रहे हैं तो अंतरकों का नाम और पता और उनका कंपनी के निदेशक/निदेशकों या प्रबंधक से संबंध, यदि कोई हो। यदि अंतरक नियमित निकाय है तो कंपनी के निदेशक/निदेशकों/प्रबंधक का उक्त नियमित निकाय में हित तथा उनके अंश धारण की प्रतिशतता। उनकी या उनके मतदारों द्वारा धारित शेयरों/हिसयत का उल्लेख करें।



- (ठ) क्या शेयरों के प्रस्तावित अर्जन को एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 की धारा 30ख लागू है ? यदि ऐसा है तो क्या उक्त धारा के अधीन केन्द्रीय सरकार को अनुमोदन के लिए आवेदन दिया है ?
- (ड) विदेशी मुद्रा की, यदि कोई हो, जो इस विनिधान के लिए भेजे जाने के लिए अपेक्षित हो, उस देश के नाम सहित, जिसको उसे भेजा जाना है, रकम उपदर्शित करें ।
- (ढ) क्या प्रस्तावित विनिधान से अन्य निगमित निकाय के लाभांश आदि से संबंधित विदेशी मुद्रा प्रेषण का भार कम होने की संभावना है और यदि ऐसा है तो उक्तका ब्योरा दें ।
- (क) कंपनी द्वारा निगमित निकाय के शेयरों प्रचला डिबेंचरों में पहले से किए गए किसी विनिधान, यदि कोई हो, का पूरा ब्योरा जिसमें उसी ग्रुप में निगमित निकाय में किए गए विनिधान और ग्रुप से बाहर किए गए विनिधान को भलग-भलग दिखाया गया हो और साथ में उन निगमित निकायों को उपदर्शित किया गया हो जो एक दूसरे के मुकाबले में एक ही ग्रुप में हों भले ही वे उस कंपनी के एक ही ग्रुप में न हों :
- (1) अन्य निगमित निकायों का नाम :
  - (2) उनमें से प्रत्येक के शेयर/डिबेंचर का अभिहित मूल्य
  - (3) उन शेयरों का लागत मूल्य जिनमें विनिधान किया गया है ।
  - (4) शेयरों का वर्तमान बाजार मूल्य ।
  - (5) क्या किसी मास्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज पर कोट किए गए हैं ?
  - (6) गत तीन वर्षों के दौरान ऐसे अन्य निगमित निकायों में से प्रत्येक के शेयरों की बाबत भलग-भलग संदत लाभांश ।
  - (7) (क) प्रतिश्रुत साधारण शेयर पूंजी और
    - (ख) ऐसी प्रत्येक कंपनी की समावृत्त साधारण और अधिमानी शेयर पूंजी का योग जिसमें विनिधान किया गया है और (क) प्रतिश्रुत साधारण शेयर पूंजी; और (ख) प्रत्येक की कुल समावृत्त साधारण और अधिमानी शेयर पूंजी के प्रति विनिधान की प्रतिशतता
    - (ख) पूर्ण विनिधान सहित प्रस्तावित विनिधान (अंकित मूल्य) की
      - (1) प्रतिश्रुत साधारण शेयर पूंजी ;
      - (2) अन्य निगमित निकाय की कुल समावृत्त साधारण और अधिमानी शेयर पूंजी के संबंध में प्रतिशतता ।
    - (ग) अन्य निगमित निकायों में सभी विद्यमान विनिधान सहित प्रस्तावित विनिधान की लागत कीमत की कंपनी की कुल प्रतिश्रुत पूंजी और कुली भारक्षितियों के संबंध में प्रतिशतता ।

VI. क्या अन्य निगमित निकाय अधिनियम की धारा 370 के अधीनस्थ कंपनी के रूप में उसी ग्रुप में है । यदि ऐसा है तो धारा के उस विशेष खंड का उल्लेख करें जो लागू होता हो और इसके साथ-साथ उन परिस्थितियों को भी उपदर्शित करें जिनमें कंपनियों को एक ही ग्रुप के अधीन आने वाली कंपनियां समझा गया है और इसके साथ साथ उसी ग्रुप में सभी विद्यमान विनिधानों सहित प्रस्तावित विनिधान की लागत कीमत की कंपनी की कुल प्रतिश्रुत पूंजी और कुली भारक्षितियों के संबंध में प्रतिशतता का भी उल्लेख करें ।

VII. कंपनी द्वारा लिए गए उधार का पूरा ब्योरा जिसमें वेय रकम, वे खोत हैं जिससे उसे प्राप्त किया गया है, संदेय ब्याज की दर, रकम लौटाने अ प्रतिश्रुति के निर्बंधनों को उपदर्शित करते हुए तथा निम्नलिखित को वेय रकम को पृथक रूप से दर्शाया जाए

- (क) केन्द्रीय/राज्य सरकार
- (ख) वितीय संस्थान
- (ग) राष्ट्रीय बैंक
- (घ) बीमा कंपनियां
- (ङ) अन्य

VIII. (क) संगणनाओं का ब्योरा देते हुए, अंतिम तुलन पत्र के अनुसार कंपनी के बालू दायित्व और बालू आस्तियों का शुद्ध आधिक्य ।

(ख) कंपनी के अंतिम तुलन पत्र के अनुसार नकद और बैंक अधिशेष तथा सरलतापूर्वक परिवर्तनीय प्रतिश्रुतियों का पूरा ब्योरा ।

IX. (क) वह खोत जिससे प्रस्तावित विनिधान के लिए धन प्राप्त करना है, पूर्ण विशिष्टियां देते हुए, उन अवधि का, जिसमें संदाय किया जाएगा, उल्लेख करते हुए और नकदी संवसन विवरण देते हुए ।

(ख) यदि विनिधान की रकम के किसी भाग के लिए धन उधार की रकम द्वारा प्राप्त किया जाना हो तो उस खोत को उपदर्शित किया जाना चाहिए जिससे वह प्राप्त होना है और इसके साथ-साथ ब्याज, रकम लौटाने, दी जाने वाली प्रतिश्रुति आदि के निर्बंधनों का भी उल्लेख किया जाना चाहिए ।

X. निम्नलिखित में से प्रत्येक द्वारा धारित साधारण/अधिमानी शेयर और उन की कुल साधारण/अधिमानी शेयर पूंजी के संबंध में प्रतिशतता को पृथक रूप से उपदर्शित करते हुए ।



## (क) नियंत्रक ब्लाक

- (1) निदेशकों और उनके नातेदारों द्वारा धारित शेयर
- (2) उसी प्रबंध मंडल के अधीन अन्य कंपनियाँ

## (ख) केन्द्रीय/राज्य सरकार

## (ग) विपक्षीय संस्थाएँ (प्रत्येक का नाम)

## (घ) राष्ट्रीयकृत बैंक

## (ङ.) अनिवारसी

- (1) वे कंपनियाँ जो भारत में निगमित नहीं हुई हैं।
- (2) विदेशी नागरिक

(च) 1 प्रतिशत या उससे अधिक साधारण शेयर धारित करने वाले ऐसे अंग धारी जो (क) से (ङ.) के अंतर्गत नहीं आते।

## (छ) अन्य

- (1) कंपनियाँ
- (2) व्यक्ति

XI. निम्नलिखित में से प्रत्येक द्वारा धारित साधारण/अधिमानी शेयर, अन्य निगमित निकाय की कुल साधारण/अधिमानी शेयर पूंजी के संबंध में प्रतिशतता को पृथक रूप से उपदर्शित करने हुए

## (क) नियंत्रक ब्लाक

(1) निदेशकों और उनके नातेदारों द्वारा धारित शेयर :

(2) उसी प्रबंध मंडल के अधीन अन्य कंपनियाँ :

(3) विनिधायक कंपनी :

(ख) केन्द्रीय/राज्य सरकार :

(ग) विपक्षीय संस्थाएँ (प्रत्येक का नाम) :

(घ) राष्ट्रीयकृत बैंक :

(ङ.) अनिवारसी :

(1) वे कंपनियाँ जो भारत में निगमित नहीं हुई हैं।

(2) विदेशी नागरिक

(च) 1 प्रतिशत या उससे अधिक साधारण शेयर धारित करने वाले ऐसे अंग धारी जो (क) से (ङ.) के अंतर्गत नहीं आते।

(छ) अन्य :

(1) कंपनियाँ :

(2) व्यक्ति :

XII. प्रस्तावित विनिधान करने के पश्चात् प्रत्येक द्वारा (जैसाकि पैरा XI में किया गया है,) धारित साधारण/अधिमानी शेयर

XIII. (क) क्या कंपनी एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 की धारा 26 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है ? यदि है तो अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण सं. \_\_\_\_\_।

(ख) क्या कंपनी ने इस संबंध में एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 की धारा 21 या 22 या 23 के अधीन आवेदन प्रस्तुत कर दिया है ?

XIV. क्या विनिधायक कंपनी के कर्मचारियों को बाबत भविष्य निधि की कोई बकाया है। यदि है तो उसका ब्योरा।

XV. कोई अन्य जानकारी जो प्रस्तावित विनिधान से संबंधित हो ;

XVI. यदि विनिधायक कंपनी की नियंत्रक कंपनी और/अथवा एक या एक से अधिक समनुषंगी कंपनी ने अन्य निगमित निकाय को शेयर पूंजी में गहले ही कोई विनिधान किया हुआ है और/अथवा करने का प्रस्ताव है तो कृपया निम्नलिखित ब्योरा दें —

प्रस्तावित विनिधान प्रतिशतता	पूर्व विनिधान प्रतिशतता	योग प्रतिशतता
------------------------------	-------------------------	---------------

(i) आवेदक कंपनी

(ii) आवेदक कंपनी की नियंत्रक कंपनी जिसके अंतर्गत (अंतिम नियंत्रक कंपनी भी है)।

(iii) आवेदक कंपनी की समनुषंगी कंपनी/कंपनियाँ

(iv) ऊपर (ii) में वर्णित नियंत्रक कंपनी की समनुषंगी कंपनी/कंपनियाँ

XVII. कृपया यह उपायान करे कि क्या विनिर्वाहकर्ता कंपनी को निपटारी कंपनी और/अथवा उनको किसी समनुयुक्त कंपनी या निधनी कंपनी को समनु-  
युक्त कंपनियों में से किसी ने अन्य निगमित निकाय में विनिर्वाह के लिए धारा 372 के अर्थात् आवेदन दिया है। यदि ऐसा है तो उनका धोरा दे।

हस्ताक्षर

पत्रनाम\*

तारीख

\*निदेशक, प्रबंध/पूर्णकालिक निदेशक, प्रबंधक या सचिव होने का उल्लेख करें।

#### परिशिष्ट-I

- (क) विनिर्वाह का अनुमोदन करने वाले बोर्ड के संकल्प सहित साधारण बैठक में कंपनी द्वारा पारित संकल्प की एक प्रति।
- (ख) कंपनी और अन्य निगमित निकाय के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद की एक प्रति।
- (ग) गत तीन वित्त वर्षों की कंपनी और अन्य निगमित निकाय के तुलन पत्र की प्रतियां।
- (घ) अन्य निगमित निकाय द्वारा जारी किए गए प्रोसॉकुटर्स की एक प्रति।

#### परिशिष्ट II

क. ....तारीख को तुलन पत्र के अनुसार कंपनी की वित्तीय और नकदी की स्थिति

चालू भास्तियां

(व्यापार विनिर्वाह और समनुयुक्त कंपनियों में विनिर्वाह से विश्व विनिर्वाह को सम्मिलित करते हुए)।

घटाएं चालू दायित्व

(अल्पकालिक उधार और दायित्व)

नकदी में परिणत हो सकने योग्य अधिशेष

जोड़ें (क) स्थिर भास्तियां

(ख) व्यापार विनिर्वाह और समनुयुक्त कंपनियों में विनिर्वाह

घटाएं दीर्घकालिक उधार और दायित्व

.....तारीख (तुलन पत्र की तारीख) को शुद्ध सानियत

टिप्पण—शुद्ध सानियत की उपरोक्त संगणना करते समय निम्नलिखित सवों की बाबत समायोजन करना होगा।

(i) धर्म भास्तियां, उदाहरणार्थ गृहविल, आदि

(ii) संकास्पद भास्तियां अर्थात् संकास्पद और दूबंत ऋण आदि।

(iii) प्रास्थगित राजस्व व्यय

(iv) संचित हानियां

(v) मूल्य ह्रास की बकाया

(vi) अधिमानी शेयरों के लाभांश की बकाया

(vii) लेखा पद्धति के अनुसार कटौती किए जाने के लिए अपेक्षित तुलन पत्र में प्रकट होने वाली कोई अन्य रकम  
योग

शुद्ध सानियत का समाधान

समावेश पूर्ण

जोड़ें धारशक्तियां (कृपया धोरा दें)

घटाएं धर्म भास्तियां और कोई अन्य रकम जो घटाई जानी हो (ऊपर का टिप्पण देखें)।

.....तारीख (तुलन पत्र की तारीख) को शुद्ध सानियत

ख. अंतिम तुलन पत्र के अनुसार अन्य निगमित निकाय की वित्तीय स्थिति

कुल भास्तियां

3

घटाएं (i) धर्म भास्तियां जैसे गृहविल आदि

(ii) संकास्पद भास्तियां जैसे संकास्पद और दूबंत ऋण आदि

(iii) प्रास्थगित राजस्व व्यय

(iv) संचित हानियां

- (5) मूल्य ह्रास की बकाया  
 (6) अधिमानी शेयरों के लाभांश की बकाया  
 (7) कोई अन्य रकम जो लेखा पद्धति के अनुसार बटाई जानी हो।  
 योग

घटाए : वायिस्व

..... तारीख (तुलन पत्र की तारीख) का शुद्ध सन्निधन

शुद्ध सन्निधन का समाधान

समादत्त पूंजी

जाड़े : आरक्षितियां (कृपया ध्यान दें)

घटाए : अमूर्त आम्निया आदि (ऊपर का टिप्पण देखें)

..... तारीख (तुलन पत्र की तारीख) का शुद्ध सन्निधन

हस्ताक्षर

\*पदनाम

तारीख 19

\*निदेशक प्रबंध/पूर्णकालिक निदेशक, प्रबंधक या सचिव होने का उल्लेख करें।"

[का. सं. 1/8/88--सी. एन V]

बी. पी. गुप्ता, सयुक्त सचिव

कंपनी (केंद्राध्य सरकार) भाषांतरण नियम और प्रश्न, 1956 का सभावन

मूल अधिसूचना

1.	का नि आ	132 क	तारीख	18-2-1956
	बाद में निम्नलिखित द्वारा सभायत किया गया।			
2.	का नि आ	2535	तारीख	1-11-1956
3.	का नि आ	3135	तारीख	21-12-1956
4.	का नि आ	237	तारीख	19-1-1957
5.	का नि आ	2105	तारीख	29-6-1957
6.	का नि आ	3038	तारीख	28-9-1957
7.	का नि आ	3867	तारीख	7-12-1957
8.	सा का नि	48	तारीख	22-2-1958
9.	सा का नि	723	तारीख	23-8-1958
10.	सा का नि	750	तारीख	30-8-1958
11.	सा का नि	1026	तारीख	1-11-1958
12.	सा का नि	14	तारीख	3-1-1959
13.	सा का नि	548	तारीख	9-5-1959
14.	सा का नि	1140	तारीख	17-10-1959
15.	सा का नि	1224	तारीख	7-11-1959
16.	सा का नि	1364	तारीख	12-12-1959
17.	सा का नि	220	तारीख	27-2-1960
18.	सा का नि	595	तारीख	25-8-1960
19.	सा का नि	195	तारीख	18-2-1961
20.	सा का नि	814	तारीख	24-6-1961
21.	सा का नि	1105	तारीख	9-9-1961
22.	सा का नि	1408	तारीख	25-11-1961
23.	सा का नि	653	तारीख	12-5-1962

24.	सा. का. नि.	344	तारीख	2-3-1963
25.	सा. का. नि.	628	तारीख	13-4-1963
26.	सा. का. नि.	97	तारीख	16-1-1965
27.	सा. का. नि.	822	तारीख	12-6-1965
28.	सा. का. नि.	1570	तारीख	30-10-1965
29.	सा. का. नि.	368	तारीख	19-3-1966
30.	सा. का. नि.	421	तारीख	18-3-1966
31.	सा. का. नि.	499	तारीख	9-4-1966
32.	सा. का. नि.	743	तारीख	21-5-1966
33.	सा. का. नि.	847	तारीख	4-6-1966
34.	सा. का. नि.	1262	तारीख	13-8-1966
35.	सा. का. नि.	130	तारीख	20-1-1968
36.	सा. का. नि.	667	तारीख	30-6-1973
37.	सा. का. नि.	327 (प्र)	तारीख	10-6-1975
38.	सा. का. नि.	414 (प्र)	तारीख	16-7-1975
39.	सा. का. नि.	2596	तारीख	1-11-1975
40.	सा. का. नि.	2828	तारीख	13-12-1975
41.	सा. का. नि.	154	तारीख	31-1-1976
42.	सा. का. नि.	248 (प्र)	तारीख	24-3-1976
43.	सा. का. नि.	627	तारीख	14-5-1977
44.	सा. का. नि.	24 (अ)	तारीख	9-1-1979
45.	सा. का. नि.	1256	तारीख	6-10-1979
46.	सा. का. नि.	555 (प्र)	तारीख	4-9-1982
47.	सा. का. नि.	479 (प्र)	तारीख	22-4-1988
48.	सा. का. नि.	694 (अ)	तारीख	10-6-1988
49.	सा. का. नि.	782 (प्र)	तारीख	13-7-1988
50.	सा. का. नि.	908 (प्र)	तारीख	7-9-1988
51.	सा. का. नि.	1032 (प्र)	तारीख	26-10-1988

G.SR 449(E):—In exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of sub-section (1) of section 642 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and all other powers hereunto enabling, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Companies (Central Government's) General Rules and Forms, 1956, namely:—

1. (1) These rules may be called the Companies (Central Government's) General Rules and Forms (Amendment) Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Companies (Central Government's) General Rules and Forms, 1956 (hereinafter referred to as the said rules), after rule 6, the following rule shall be inserted, namely:—

“6A. Section 130:—(1) Every company shall forward to the Registrar the particulars of charges, in Form 13 with a fee of rupees ten, for being entered in the register of charges.

(2) Form 13 shall be filed along with the relevant Form 8, or Form 10, or Form, 17, as the case may be.

(3) The register kept in pursuance to sub-section (3) of section 130 shall be open to inspection by any person on payment of a fee of rupees ten for each inspection,”

3. After rule 7 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:—

“7A. section 219:—(1) The statement containing the salient features of the documents referred to in sub-section (1) of section 219 shall be in Form 23AB.

(2) The statement referred to in sub-rule (1) shall be approved by the Board of Directors and signed on behalf of the Board in accordance with the provisions of sub-section (1) of section 215.

(3) A signed copy of the statement shall be attached to the documents filed pursuant to section 220.”

4. After rule 11A of the said rules, the following rules shall be inserted, namely:—

“11B. Section 370:—(1) For the purposes of the first proviso to sub-section (1) of section 370, no special resolution shall be necessary in the case of loans made to other bodies corporate not under the same management as the lending company, where the aggregate of such loans do not exceed twenty percent of the aggregate of the subscribed capital of the lending company and its free reserves.

(2) The aggregate of the loans made by the lending company to all other bodies corporate shall not, except with the prior approval of the Central Government, exceed—

(a) thirty percent of the aggregate of the subscribed capital of the lending company and its free reserves, where all such other bodies corporate are not

under the same management as the lending company;

(b) twenty percent of the aggregate of the subscribed capital of the lending company and its free reserves, where all such other bodies corporate are under the same management as the lending company.

11C. Section 372:—(1) The Board of Directors of a company shall be entitled to invest in the shares of any other body corporate, pursuant to sub-section (2) of section 372, upto twenty-five percent, of the subscribed equity share capital, or the aggregate of the paid up equity and preference share capital, of such other body corporate, whichever is less.

Explanation:—Where the investment are made by a company together with its one or more subsidiary companies, the percentage specified in this sub-rule shall be computed with reference to the aggregate of the investments made by the company and its subsidiaries.

(2) The aggregate of the investments made by the Board in all other bodies corporate shall not, except with the previous approval of the Central Government exceed—

- (i) thirty percent of the aggregate of the subscribed capital and free reserves of the investing company; and
- (ii) twenty percent of the aggregate of the subscribed capital and free reserves of the investing company, where such other bodies corporate are in the same group.”

5. In Annexure A to the said rules,—

- (i) for Form 13, the following Form shall be substituted, namely:—

Registration No.....

Nominal Capital.....

## REGISTER OF CHARGES

FORM No. 33 (Pursuant to sections 130, 135, 137 &amp; 138)

Particulars of Charge (s) created by a company registered in India  
 subject to which property has been acquired by company registered in India.  
 Name of the Company.....Limited/Private Ltd.  
 Presented by.....  
 Particulars of Charge (s) Created  
 subject to which property has been acquired  
 .....Limited/Private Limited  
 a company registered in India.

## PARTICULARS OF CHARGE UNDER SECTION 125.

1. Date and description of the instrument creating the charge.
2. Amount secured by the charge/amount owing on security of the charge.
3. Short particulars of the property charged. If the property acquired is subject to charge, date of the acquisition of property should be given.
4. Gist of the terms and conditions and extent and operation of the charge.
5. Name and addresses and description of the persons entitled to the charge.

## PARTICULARS REGARDING CREATION OF CHARGE IN CASE OF SERIES OF DEBENTURES UNDER SECTION 128/129.

6. Date and amount of each series of debentures—Date                      Amount                      total
7. Date and amount of the present issue of series.
8. Date of resolution authorising the issue of the series.
9. Date of the covering deed (if any) by which the security is created or defined; or if there is no such deed, the first execution of any debenture of the series.
10. Name and addresses of the trustee (if any) for the debenture holders.
11. Date of registration of the series.
12. Particulars as to the amount or rate per cent of the Commission, allowances or discount (if any) paid, or made either directly or indirectly by the company to any person in consideration of subscribing or agreeing to subscribe, whether absolutely or conditionally or procuring or agreeing to procure subscription, whether absolute or conditional, for any of the debentures included in this return.

## PARTICULARS OF MODIFICATION OF CHARGE UNDER SECTION 135.

13. Date and brief description of instrument modifying the charge.
14. Particulars of modifications already registered/filed in the office of the Registrar of Companies.
15. Particulars of modification specifying the terms, conditions or the extent of operation of the charge in which modification is made, and the details of the modification.

**16. APPOINTMENT OF RECEIVER UNDER SECTION 137.**

- (a) Name, address and Date of appointment of receiver.  
 (b) Date on which the receiver ceased to act.

**17. MEMORANDUM OF COMPLETE SATISFACTION OF CHARGE UNDER SECTION 138.**

- (a) Date of creation of original charge and amount secured.  
 (b) Date of registration/date of filing of the particulars with the Registrar of Companies.  
 (c) Date of filing of the memorandum of satisfaction/date of entry of satisfaction.

Dated the .....day of .....19

Signature .....

Name .....

(In Block Capitals)

Designation .....

(FOR OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES ONLY)

18. Date of registration.

19. Serial No. of the document in file,

SIGNATURE OF REGISTRAR OF COMPANIES“.;

(ii) after Form 23AA, the following Form shall be inserted, namely:—

“FORM No. 23AB

(See rule 7A)

STATEMENT CONTAINING SALIENT FEATURES OF BALANCE SHEET AND  
 PROFIT & LOSS ACCOUNT AS PER SECTION 219 (1) (b) (iv)  
 FORM OF ABRIDGED BALANCE SHEET

Particulars		Figures as at the end of	
		Current financial year (Rs. 000)	Previous financial year (Rs. 000)
1	2	3	4
<b>I. SOURCES OF FUNDS</b>			
	(1)		
	(a) Capital		
	(i) Equity		
	(ii) Preference		



1	2	3	4
	(b) Reserves and Surplus		
	(i) Capital Reserve		
	(ii) Revenue Reserve		
	(iii) Revaluation Reserve		
	(iv) Surplus in Profit & Loss Account		
	(2) Loans Funds		
	(a) Debentures		
	(b) Public deposits		
	(c) Secured Loans (other than debentures)		
	(d) Unsecured Loans		
	Total of (1) and (2) :		

## II. APPLICATION OF FUNDS

### (1) Fixed Assets

- (a) Net block - (original cost less depreciation)
- (b) Capital works in progress

### (2) Investments

- (a) Government Securities
- (b) Investment in subsidiary companies
  - (a) Quoted
  - (b) Unquoted
- (c) Others
  - (a) Quoted
  - (b) Unquoted

### (3) (i) Current Assets, Loans and Advances

- (a) Inventories
- (b) Sundry Debtors
- (c) Cash and Bank balances
- (d) Other current assets
- (e) Loans and Advances
  - (i) To subsidiary companies
  - (ii) To others

## H. APPLICATION OF FUNDS

Less

(ii) Current Liabilities and Provisions

(a) Liabilities

(b) Provisions

Net Current Assets (i-ii) :

(4) Miscellaneous expenditure to the extent not written off or adjusted

(5) Profit &amp; Loss Accounts

Total of (1) to (5)

## Abridged Profit &amp; Loss Account for the year ending.

Particulars	Figures for the	
	Current year	Previous year
I. Income		
—Sales/Services rendered (Details to be given separately as per Annexure)		
—Dividend		
—Interest		
—Other income (See Note 5)		
Total		
II. Expenditure		
Cost of goods consumed/sold		
(i) Opening Stock		
(ii) Purchases		
Less closing stock		
Manufacturing expenses		
Selling expenses		
Salaries, Wages and other employee benefits		
Managerial remuneration		
Interest		
Depreciation		

**Auditor's remuneration**

Provisions for (i) doubtful debts; and  
(ii) other contingencies  
(to be specified)

Any other expenses (See Note 5)

Total

-----  
-----

**III. Profit/loss before Tax (I-II)****IV. Provision for taxation****V. Profit /Loss after tax****VI. Proposed Dividend:**

—Preference shares

—Equity Shares

**VII. Transfer to Reserves/Surplus****Notes to the Abridged Balance Sheet and the Abridged Profit & Loss Account.**

1. The amounts to be shown here should be the same as shown in the corresponding aggregated heads in the accounts as per Schedule VI or as near thereto as possible.

2. The total amount of contingent liabilities and that of capital commitments should be shown separately.

3. All notes forming part of the Accounts as per Schedule VI to which specific attention has been drawn by the auditors or which form a subject matter of a qualification by the auditor should be reproduced.

4. If fixed assets are revalued, the amount of revaluation to be shown separately for the first five years subsequent to the date of revaluation.

5. Any item which constitutes 20% or more of the total income or expenditure (including provisions) should be shown separately.

6. Amount, if material, by which any items shown in the profit and loss account are affected by any change in the basis of accounting, should be disclosed separately.

7. If no provision is made for depreciation, the fact that no provision has been made shall be stated alongwith the quantum of arrears of depreciation computed in accordance with Section 205(2) of the Act.

8. Market value of Quoted Investments (both for current year as also previous year) be mentioned.

9. Any note forming part of the Accounts as per Schedule VI which is in the nature of any explanation regarding compliance with any law should be reproduced.

The above stated salient features of Balance Sheet and Profit & Loss Account should be authenticated in the same manner as the Main Accounts are to be authenticated.

#### AUDITOR'S REPORT

—Should be given in full

#### DIRECTORS REPORT

Should be given in full except the information about employees under Section 217 2(A).

(Signed by Directors/Secretary)  
in the manner prescribed in  
section 215(1).

#### ANNEXURE

#### SALIENT FEATURES OF ADDITIONAL INFORMATION ON THE PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED

		Figures for the Current year Rs. 000	Figures for the Previous year Rs. 000
Sales			
Class of Goods	Units	Quantity Rs. 000	Quantity Rs. 000

(iii) in Form 34AA,

in item number 1, in sub-item (c), the following shall be added, namely :—  
“Free reserves (with details as to its constituents).”;

(iv) for Form 34B,

the following Form shall be substituted, namely :—

“Registration No. of the company  
Nominal Capital Rs.

### THE COMPANIES ACT, 1956

Form of application to the Central Government for purchase by Companies of shares of other Companies

Pursuant to Section 372

[Note :

(i) ‘Company’ in this form means the company which proposes to make the investment and ‘other body corporate’ means the company in which investment is proposed to be made.

(ii) Information should be furnished as on the date of application unless otherwise indicated in the form.

(iii) The application should be accompanied by the documents mentioned in Appendix I. The company is advised that, for expeditious disposal of the application, the information regarding the financial position of the company and also of the other body corporate according to the latest published balance sheets should also be furnished in the proforma contained in Appendix II.

(iv) The reference to ‘debentures’ in the proforma should be read with the provisions of Section 372(12)].

#### I. (a) Name of the Company

(b) Management structure (Composition of Board of Directors giving their names and addresses and particulars regarding manager, managing director, if any)

#### (c) Capital Structure

##### (1) Share Capital

—Authorised Rs.

—Subscribed Rs.

—Paid-up Rs.

(Separately indicating equity and preference share capital).

##### (2) Debentures Rs.

##### (3) Long term loan Rs.

##### (4) Free Reserves Rs.

(with details as to constituents)

(d) Aggregate to subscribed capital and free reserves  
Rs.

## II. (a) Name of the other body corporate

(b) Management structure (Composition of Board of Directors giving their names and addresses and particulars regarding manager or managing director, if any)

## (c) Capital structure :

## 1. Share capital

—Authorised Rs.

—Subscribed Rs.

—Paid-up Rs.

(Separately indicating equity and preference share capital)

## 2. Debentures Rs.

## 3. Long-term loans Rs.

## III. (a) Main business of the company.

(b) Main business of other body corporate.

(c) In what ways would the proposed investment be in the interest of the company and of the other body corporate.

## IV. Particulars of the proposed investment :

(a) Nature of investment (equity/preference) or debenture with rate of equity preference dividend, debenture interest, terms of redemption, etc.

(b) Amount to be invested

(c) Number of shares/debentures to be purchased

(d) Nominal value of the shares/debentures

(e) If the shares/debentures are quoted on any recognised stock exchange, current market quotations

(f) If the shares are not quoted on any recognised stock exchange details as to the break-up value, yield and fair value

(g) Rate at which the shares/debentures are to be purchased (in case the price to be paid is higher than the market value or the fair value of the shares, justification for the same).

(h) Form of payment i.e. in cash or by issue of shares of the company or by transfer of property (details to be given)

(i) Dividend declared on the shares of the other body corporate during the preceding three years, if any.

- (j) Whether the shares/debentures are being purchased out of the fresh issue from the company.
- (k) If the shares/debentures are being purchased from the existing shareholders, indicate name and address of the transferors and their relationship, if any, with any of the director/directors or manager of the company. In case the transferor is a body corporate, indicate the interest of the director/directors/manager of the company, in the said body corporate with the percentage of their share holding. State the shares/positions held by them or their relations.
- (l) Whether Section 36B of the MRTP Act, 1969, is applicable to the proposed acquisition of shares. If so, whether application for approval has been made to the Central Government under the said Section.
- (m) Indicate the amount of foreign exchange, if any, required to be remitted for this investment with the name of the country to which remittance is to be made.
- (n) Whether with the proposed investment the burden of foreign exchange remittance regarding dividends etc. of the other body corporate is likely to be reduced and, if so, give details.
- V. (a) Full details of the investment, if any, already made by the company in the shares or debentures of other body corporate distinguishing between investment made in bodies corporate in the same group and out side the group indicating the bodies corporate which are inter se in the same group though may not be in the same group as that of the company.
- (i) Names of the other bodies corporate :
- (ii) Nominal value of the shares/debentures of each of them.
- (iii) Cost price of the shares in which investments were made.
- (iv) Present market price of shares. :
- (v) Whether quoted on any recognised Stock Exchange.
- (vi) Dividends paid during the last three years separately, in respect of shares, of each such other body corporate.
- (vii) (a) Subscribed equity share capital and :  
(b) the aggregate of the paid up equity and preference share capital of each company in



which investments had been made and the percentage of investments to (a) the subscribed equity share capital; and (b) the aggregate of the paid up equity and preference share capital of each.

- (b) The percentage which the proposed investment (face value) together with any previous investments would bear in relation to the (i) subscribed equity share capital; (ii) the aggregate of the paid up equity and preference share capital of the other body corporate.
- (c) The percentage which the cost price of the proposed investment along with that of all existing investments in other bodies corporate, bears to the aggregate of the subscribed capital and free reserves of the company.

VI. Whether the other body corporate is in the same group as the company within the meaning of section 370 of the Act. If so, state the particular clause of the section which is attracted indicating the circumstances in which the companies are regarded as coming under the same group, and the percentage which the cost price of the proposed investment along with that of all existing investments in the same group bears to the aggregate of the subscribed capital and free reserves of the company.

VII. Full details of the existing borrowings of the Company indicating the amount due, source from which obtained, rate of interest payable, terms regarding repayment and security and separately showing the amount due to :

- (a) Central/State Government :
- (b) Financial institutions
- (c) Nationalised Banks
- (d) Insurance Companies
- (e) Others

VIII. (a) The net excess of current assets over current liabilities of the company according to the latest Balance Sheet, indicating details of the calculations.

(b) Full details of the cash and bank balance and easily realisable securities and investments according to the latest Balance Sheet of the company.

IX. (a) Source from which the proposed investment is to be financed, indicating detailed particulars, the period over which the payment will be spread over, giving a cash flow statement.

- (b) If any part of the amount to be invested is to be financed by borrowing the amount of the loan and the source from which it is to be obtained should be indicated together with the terms regarding interest, repayment, security to be furnished etc.

X. Equity Preference shares held by each of the following indicating separately the percentage the same bears to the total equity/preference share capital of the investing company.

- (a) Controlling block
  - (1) Shares held by directors and their relatives
  - (2) Other Companies under the same management.
- (b) Central/State Governments.
- (c) Financial Institutions (by individual names)
- (d) Nationalised Banks.
- (e) Non-residents :
  - (1) Companies not incorporated in India.
  - (2) Foreign nationals.
- (f) Shareholders not covered in (a) to (e) above holding 1 per cent or more of the equity shares.
- (g) Others
  - (1) Companies
  - (2) Individuals

XI. Equity/Preference shares held by each of the following indicating separately the percentage the same bears to the total equity/preference share capital of the other body corporate.

- (a) Controlling block :
  - (1) Shares held by Directors and their relatives.
  - (2) Other Companies under the same management.
  - (3) Investing Company.
- (b) Central/State Governments
- (c) Financial Institutions (by individual names)
- (d) Nationalised Banks
- (e) Non-residents
  - (1) Companies not incorporated in India.
  - (2) Foreign Nationals
- (f) Shareholders not covered in (a) to (e) above holding 1 per cent or more of the equity shares.
- (g) Others

(1) Companies

(2) Individuals

XII. Equity/Preference shares held by each (as in para XI) after making the proposed investment.

XIII. (a) Whether the Company is registered under Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969. If so, Registration No. under the Act.

(b) Whether the Company has submitted an application under Section 21 or 22 or 23 of the Monopolies & Restrictive Trade Practices Act, 1969 also in this regard ?

XIV. Whether there are any arrears of provident fund in respect of the employees of the investing company. If so, the details thereof.

XV. Any other information which may have a bearing on the proposed investment.

XVI. If the holding company, and /or one or more subsidiaries, of the investing company have already invested, and/or propose to invest, in the share capital of the other body corporate, please furnish the following particulars :—

Proposed Investment %	Previous Investment %	Total %
-----------------------------	-----------------------------	------------

(i) Applicant company

(ii) Holding company (including ultimate holding company) of the applicant company.

(iii) Subsidiary company (ies) of the applicant company.

(iv) Subsidiary company (ies) of the holding company at (ii) above.

XVII. Please indicate whether the holding company of the investing company and/or any of the latter's subsidiaries or any of the subsidiaries of the holding company has/have made application under section 372 for investment in the other body corporate. If so, indicate the details thereof.

Signature  
\*Designation

Dated the            day of            19           

\*State whether director, managing/whole-time director, manager or secretary.

#### APPENDIX I

(a) A copy of the resolution passed by the company in general meeting together with a copy of the resolution of the Board approving the investment.

- (b) A copy each of the Memorandum and Articles of Association of the company and of the other body corporate.
- (c) Copies of the balance sheets of both the company and of the other body corporate for the last three financial years.
- (d) A copy of the prospectus issued by the other body corporate.

## APPENDIX II

### A FINANCIAL AND LIQUIDITY POSITION OF THE COMPANY AS PER THE BALANCESHEET

#### Current Assets

(including investments other than trade investments and investment in subsidiary companies)

Less : Current Liabilities (including short-term loans & liabilities)

#### Liquid Surplus :

Add : (a) Fixed Assets

(b) Trade investments and investments in subsidiary companies.

Less : Long term loans and liabilities

Net worth as on.....(Date of Balance Sheet)

#### NOTE :

In making the above computation of net worth, adjustments in respect of the following items shall be made :

- (i) Intangible assets, e.g. good will, etc.
- (ii) Doubtful assets, e.g. doubtful & bad debts etc.
- (iii) Deferred revenue expenditure
- (iv) Accumulated losses
- (v) Arrears of depreciation
- (vi) Arrears of preference shares dividend
- (vii) Any other amount, appearing in the balance sheet required to be deducted in accordance with accounting practice

Total :

#### Reconciliation of Net Worth :

Paid up capital

Add : Reserves (Please specify details)

Less : Intangible assets and any other amount required to be deducted (vide note above)

Net worth as on.....(Date of Balance Sheet).

## B. FINANCIAL POSITION OF THE OTHER BODY CORPORATE ACCORDING TO THE LATEST BALANCE SHEET

Total assets

- Less : (i) Intangible assets like goodwill etc.  
 (ii) Doubtful assets like doubtful and bad debts etc.  
 (iii) Deferred revenue expenditure  
 (iv) Accumulated losses  
 (v) Arrears of depreciation  
 (vi) Arrears of preference shares dividend  
 (vii) Any other amount required to be deducted in accordance with account practice.

Total :

Less : Liabilities

- Net worth as on.....(Date of balance sheet).  
 Reconciliation of net worth :  
 Paid-up capital  
 Add : Reserves (Please specify details)  
 Less : Intangible assets, etc. (vide note above).  
 Net Worth as on.....(Date of balance sheet).

Signature

\*Designation

Dated the.....day of.....19

\*State whether director, managing/whole-time director, manager or secretary.

[F. No. 1/6/88-CL.V]  
V.P. GUPTA, Jt. Secy.

## COMPANIES (CENTRAL GOVERNMENT'S) GENERAL RULES AND FORMS, 1956—AMEND- MENTS TO.

Principal Notification

1. SRO 432A dated 18-2-1956  
Subsequently amended by—
2. SRO 2535 dated 1-11-1956
3. SRO 3135 dated 21-12-1956
4. SRO 237 dated 19-1-1957
5. SRO 2105 dated 29-6-1957
6. SRO 3038 dated 28-9-1957
7. SRO 3867 dated 7-12-1957
8. GSR 48 dated 22-2-1958
9. GSR 723 dated 23-8-1958
10. GSR 750 dated 30-8-1958
11. GSR 1026 dated 1-11-1958
12. GSR 14 dated 3-1-1959
13. GSR 548 dated 9-5-1959

14. GSR 1140 dated 17-10-1959
15. GSR 1224 dated 7-11-1959
16. GSR 1364 dated 12-12-1959
17. GSR 220 dated 27-2-1960
18. GSR 595 dated 28-5-1960
19. GSR 195 dated 18-2-1961
20. GSR 814 dated 24-6-1961
21. GSR 1105 dated 9-9-1961
22. GSR 1408 dated 25-11-1961
23. GSR 653 dated 12-5-1962
24. GSR 344 dated 2-3-1963
25. GSR 628 dated 13-4-1963
26. GSR 97 dated 16-1-1965
27. GSR 822 dated 12-6-1965
28. GSR 1570 dated 30-10-1965
29. GSR 368 dated 19-3-1966
30. GSR 421 dated 18-3-1966
31. GSR 499 dated 9-4-1966
32. GSR 743 dated 21-5-1966
33. GSR 847 dated 4-6-1966
34. GSR 1262 dated 13-8-1966
35. GSR 130 dated 20-1-1968
36. GSR 667 dated 30-6-1973
37. GSR 327(E) dated 10-6-1975
38. GSR 414(E) dated 16-7-1975
39. GSR 2596 dated 1-11-1975
40. GSR 2828 dated 13-12-1975
41. GSR 154 dated 31-1-1976
42. GSR 248(E) dated 24-3-1976
43. GSR 627 dated 14-5-1977
44. GSR 24(E) dated 9-1-1979
45. GSR 1256 dated 6-10-1979
46. GSR 555(E) dated 4-9-1982
47. GSR 479(E) dated 22-4-1988
48. GSR 694(E) dated 10-6-1988
49. GSR 782(E) dated 13-7-1988
50. GSR 908(E) dated 7-9-1988
51. GSR 1032(E) dated 26-10-1988